**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 203**

**01 दिसंबर, 2015 को उत्तर के लिए**

 **सैन्य हेलिकाप्टरों का दुर्घटनाग्रस्त होना**

**203. श्री रीताब्रता बनर्जी :**

 **श्री देरेक ओब्राईन :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क)वर्ष 2010 से भारत में सैन्य हेलिकॉप्टरों के दुर्घटनाग्रस्त होने और लापता होने संबंधी घटनाओं की दर्ज की गई वर्ष-वार संख्या क्या है ;

(ख) ऐसी दुर्घटनाओं के कारणों की सरकार द्वारा की गई जांच के निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने सैन्य हेलिकाप्टरों के सुरक्षा मानकों में सुधार करने और दुर्घटनाओं की संख्या कम करने हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) : वर्ष 2010 से भारत में सैन्य हेलिकॉप्टरों के दुर्घटनाग्रस्त होने संबंधी घटनाओं का वर्षवार ब्यौरा इस प्रकार है :

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **दुर्घटनाओं की संख्या**  |
| 2010 | 12 |
| 2011 | 03 |
| 2012 | 03 |
| 2013 | 02 |
| 2014 | 04 |
| 2015 (25.11.2015 तक) | 04 |
| योग | 28 |

वर्ष 2010 से सैन्य हेलिकॉप्टरों के लापता होने का कोई मामला नहीं है ।

(ख) : दुर्घटना का मुख्य कारण तकनीकी त्रुटि और मानवीय भूल रही है ।

(ग) : दुर्घटनाग्रस्त के कारण को सुनिश्चित करने के लिए हेलिकॉप्टरों सहित विमान की प्रत्येक घटना/दुर्घटना की पूरी जांच एक न्यायालय/जांच बोर्ड द्वारा की जाती है और न्यायालय/जांच बोर्ड द्वारा पूरी की गई जांच की सिफारिशों को कार्यान्वित किया जाता है । रक्षा बलों ने उड्डयनिकी संरक्षा संगठन को सुदृढ़ बनाने, घटना/दुर्घटना की रिपोर्टिंग प्रक्रिया को सुप्रवाही बनाने, हेलिकॉप्टर बेड़ों का विश्लेषणात्मक अध्ययन और गुणवत्ता ऑडिट करने जैसे अनेक निवारक उपाय किए गए हैं । दुर्घटना संभावित/जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए दुर्घटना रोकथाम कार्यक्रमों पर और अधिक बल दिया गया है । सिम्यूलेटरों के प्रयोग करके, परिचालनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिवर्तन आदि करके एयर-क्रू जागरूकता और कॉकपिट संसाधन प्रबंधन को बढ़ाने के उपाय किए जाते हैं ।

 **\*\*\*\*\***